# अरहनाथ चालीसा

श्री अरहनाथ जिनेन्द्र गुणाकर,
नान-दरस-सुरत-बल रत्नाकर॥

कल्पवृक्ष सम सुख के सागर,
पार हुए निज आतम ध्याकर॥

अरहनाथ वसु अरि के नाशक,
हुए हस्तिनापुर के शासक॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

माँ मित्रसेना-पिता सुदर्शन,
चक्रवर्ती बन किया दिग्दर्शन॥

सहस चौरासी आयु प्रभु की,
अवगाहना थी तीस धनुष की॥

वर्ण सुवर्ण समान था पीत,
रोग शोक थे तुमसे भीत॥

ब्याह हुआ जब प्रिय कुमार का,
स्वप्न हुआ साकार पिता का॥

राज्याभिषेक हुआ अरहजिन का,
हुआ अभ्युदय चक्र रतन का॥

एक दिन देवा शरद ऋतु में,
मेघ विलीन हुए क्षण भर में॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

उदित हुआ वैराग्य हृदय में,
लौकान्तिक सुर आए पल में॥

'अरविन्द' पुत्र को देकर राज,
गए सहेतुक वन जिनराज॥

मंगसिर की दशमी उजियारी,
परम दिगम्बर दीक्षाधारी॥

पंचमुष्टि उखाड़े केश,
तन से ममत्व रहा नहीं दलेश॥

नगर चक्रपुर गए पारण हित,
पड़गाहें भूपति अपराजित॥

प्रासुक शुद्धाहार कराये,
पंचाश्चर्य देव कराये॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कठिन तपस्या करते वन में,
लीन रहें आतम चिन्तन में॥

कार्तिक मास द्वादशी उज्जवल,
प्रभु विराजे आम्र वृक्ष- तल॥

अन्तर ज्ञान ज्योति प्रगटाई,
हुए केवली श्री जिनराई॥

देव करें उत्सव अति भव्य,
समोशरण की रचना दिव्य॥

सोलह वर्ष का मौनभंग कर,
सप्तभंग जिनवाणी सुखकर॥

चौदह गुणस्थान बताये,
मोह - काय - योग दर्शाये॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पत्तावन आश्रव बतलाये,
इतने ही संवर गिनवाये॥

संवर हेतु समता लाओ,
अनुप्रेक्षा द्वादश मन भाओ॥

हुए प्रबुद्ध सभी नर-नारी,
दीक्षा व्रत धारें बहु भारी॥

कम्भार्प आदि गणधर तीस,
अर्द्ध लक्ष थे सकल मुनीश॥

सत्यधर्म का हुआ प्रचार,
दूर-दूर तक हुआ विहार॥

एक माह पहले निर्वेद,
सहस मुनिसंग गए सम्मेद॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

चैत्र कृष्ण एकादशी के दिन,
मोक्ष गए श्री अरहनाथ जिन॥

नाटक कट को पूजें देव,
कामदेव- चक्री-जिनदेव॥

जिनवर का लक्षण था 'मीन',
धारो जैन धर्म समीचीन॥

प्राणी मात्र का जैन धर्म है,
जैन धर्म ही परम धर्म है॥

चेन्द्रियों को जीतें जो नर,
जितेन्द्रिय वे बनते जिनवर॥

याग धर्म की महिमा गाई,
त्याग से ही सब सुख हों भाई॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

त्याग कर सकें केवल मानव,
हैं अक्षम सब देव और दानव॥

हो स्वाधीन तजो तुम भाई,
बन्धन में पीड़ा मन लाई॥

हस्तिनापुर में दूसरी नशिया,
कर्म जहाँ पर नसे घातिया॥

जिनके चरणों में धरें,
शीश सभी नरनाथ।

हम सब पूजे उन्हें,
कृपा करें अरहनाथ॥

जाप:- ॐ ह्रीं अर्ह श्री अरहनाथाय नमः

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

# अन्य जैन चालीसा


आदिनाथ चालीसा

अजितनाथ चालीसा

संभवनाथ चालीसा

अभिनंदननाथ चालीसा

सुमतिनाथ चालीसा

पद्मप्रभु चालीसा

सुपार्श्वनाथ चालीसा

चंद्रप्रभु चालीसा

पुष्पदंत चालीसा

शीतलनाथ चालीसा

श्रेयांसनाथ चालीसा

वासुपूज्य चालीसा

विमलनाथ चालीसा

अनंतनाथ चालीसा

धर्मनाथ चालीसा

शांतिनाथ चालीसा

कुंथुनाथ चालीसा

अरहनाथ चालीसा

मल्लिनाथ चालीसा

मुनि सुव्रतनाथ चालीसा

नमिनाथ चालीसा

नेमिनाथ चालीसा

पार्श्वनाथ चालीसा

महावीर चालीसा